अँखियाँ | By Prity Mahajan

जबसे लड़ी हैं अँखियाँ ये गिरधर के प्यार में
जीवन गुज़ार दूंगी गिरधर के प्यार में
जबसे लड़ी हैं अँखियाँ ये गिरधर के प्यार में

दिखलाये रंग दुनिया ने अपने हिसाब से
वाक़िफ़ नहीं मैं अब तक सबके मिज़ाज से
रंग ले मुझे सांवरिया तू अपने ही प्यार में
जीवन गुज़ार दूंगी गिरधर के प्यार में
जबसे लड़ी हैं अँखियाँ ये गिरधर के प्यार में

राधा का प्रेम तुम हो मीरा के मीत तुम
उद्धव का ज्ञान तुम हो सखियों का गीत तुम
बन जाऊं तेरी चाकर दे दर्शन उधार में
जीवन गुज़ार दूंगी गिरधर के प्यार में
जबसे लड़ी हैं अँखियाँ ये गिरधर के प्यार में

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%85%e0%a4%81%e0%a4%96%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%81-by-prity-mahajan/